मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 **BHDE–142**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य/ऑनर्स) हिन्दी

(बी. ए. जी./ बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.डी.ई.-142 : राष्ट्रीय काव्यधारा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) उन पूर्वजों की कीर्ति का वर्णन अतीव अपार है,

गाते नहीं उनके हमीं गुण गा रहा संसार है।

वे धर्म पर करते निछावर तृण–समान शरीर थे,

उनसे वही गंभीर थे, वरवीर थे, ध्रुव धीर थे।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) वेदों से बलिदानों तक जो होड़ लगी

प्रथम प्रभात किरण से हिम में जोत जगी

उतर पड़ी गंगा खेतों–खलिहानों तक

मानों आँसू आए बलि–महमानों तक

सुख कर जग के क्लेश

प्यारे भारत देश।

(ग) कुटियों में भी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान,

वीर सैनिकों के मन में था अपने पुरखों का अभिमान

नाना धुँधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान,

बहिन छबीली ने रण–चण्डी का कर दिया प्रकट आह्वान।

हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी,

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(घ) सावधान ! मेरी वीणा में,
चिनगारियाँ आन बैठी हैं,
टूटी हैं मिजराबें, अंगुलियाँ
दोनों मेरी ऐंठी हैं।
कंठ रुका है महानाश का
मारक गीत रुद्ध होता है,
आग लगेगी क्षण में, हृत्तल
में अब क्षुब्ध युद्ध होता है।

(ङ) सच है, विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

2. आधुनिक युग की प्रमुख भारतीय जीवनदृष्टियों का परिचय दीजिए। 16

3. समाज, संस्कृति और साहित्य का संदर्भ लेते हुए स्वाधीनता आन्दोलन के व्यापक परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट कीजिए। 16

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता के उदय और विकास को रेखांकित कीजिए। 16

5. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में निहित राष्ट्रीय भावना और समाज सुधार के स्वरों पर प्रकाश डालिए। 16

6. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के भावपक्ष की चर्चा कीजिए। 16

7. एक कवि के रूप में सुभद्राकुमारी चौहान के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

8. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में विन्यस्त राष्ट्रीय चेतना का विवेचन कीजिए। 16

9. रामधारी सिंह 'दिनकर' की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com